अभ्यास प्रश्नपत्र 2020-21 विषय-हिंदी ऐच्छिक (कोड 002) कक्षा बारहवीं (सेट-3)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:- निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए -

- **इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब' । खंड 'अ' में वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।**
- **खंड 'अ' में कुल 6 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**
- **खंड 'ब' में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

प्रश्न संख्या	खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्न	अंक
	अपठित गद्यांश	**(10)**
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक- समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग-धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात् परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है ? हिंदू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती हैं, जो उसका पैतृक पेशा न हों, भले ही वह उसमें पारंगत है इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रभुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	कुशल श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है ?	1

	i. जातीय जड़ता को त्यागना ii. प्रांतीय समानता को त्यागना iii. जातीय समानता को त्यागना iv. समानता को त्यागना	
(ii)	जाति प्रथा का सिद्धांत दूषित है क्योंकि - i. वह व्यक्ति की क्षमता के अनुसार चुनाव पर आधारित है । ii. वह व्यक्ति की क्षमता के अनुसार चुनाव पर आधारित नहीं है । iii. वह माता - पिता की जाति पर अवलंबित नहीं है । iv. वह माता - पिता की जाति पर निर्भर नहीं है।	**1**
(iii)	जाति प्रथा मनुष्य के साथ क्या करती है ? i. उसे जीवनभर के लिए अलग - अलग पेशे से बांधती है | ii. उसे जीवनभर के लिए एक ही पेशे से बाँधती है । iii. उसे अलग - अलग पेशा निर्धारित करने की छूट प्रदान करती है | iv. उसे एक ही पेशा निर्धारित करने की छूट नहीं होती है |	**1**
(iv)	हमारे समाज में बेरोज़गारी बढ़ने के क्या कारण हैं ? i. उद्योग धंधों में निरंतर विकास ii. व्यक्ति के द्वारा पेशा न बदल पाना iii. व्यक्ति द्वारा नवीन तकनीक को नहीं अपना पाना iv. सभी विकल्प सही हैं	**1**
(v)	अक्षम श्रमिक समाज का निर्माण है - i. जातिप्रथा का दोषपूर्ण पक्ष ii. समानता का दोषपूर्ण पक्ष iii. पेशे का निर्धारण iv. व्यवसाय का निर्धारण	**1**
(vi)	जाति प्रथा किस प्रकार का विभाजन है ? i. पेशे पर आधारित ii. रूचि पर आधारित iii. समानता पर आधारित iv. शैक्षिक गतिविधि पर आधारित	**1**
(vii)	'श्रम - विभाजन में समास है - i. अव्ययीभाव समास ii. कर्मधारय समास iii. तत्पुरुष समास iv. द्विगु समास	**1**

(viii)	'स्वाभाविक' में प्रयुक्त प्रत्यय है - i. इक ii. स्व iii. विक iv. भाव	1
(ix)	जाति प्रथा का दोषपूर्ण पक्ष है - i. पेशे का दोषपूर्ण निर्धारण ii. पेशे का गुणपूर्ण निर्धारण iii. पेशे का स्वाभाविक निर्धारण iv. पेशे का इच्छानुसार निर्धारण	1
(x)	गद्यांश का सर्वाधिक उचित शीर्षक होगा - i. जाति - प्रथा : एक दोषपूर्ण प्रणाली ii. जाति प्रथा iii. एक दोष iv. एक प्रथा	1
	अथवा	
	जब कोई वीर पुरुष किसी को क्षमा करता है तो वह सुनने और देखने में अच्छा लगता है। लेकिन जब कोई कायर और कमज़ोर व्यक्ति किसी को क्षमा करने की बात करता है, तो यह उपहास की बात हो जाती है यदि हम अपने को बड़ा मानते हैं, हम बलशाली और विद्वान हैं, हम प्रबुद्ध हैं तो यही क्षमा हमारे जीवन का अलंकार बन जाता है। शिक्षक बच्चों को पढ़ाते हैं, बच्चों का काम होता है - भूल करना। यदि शिक्षक उन भूलों को क्षमा कर देते हैं तो यहाँ शिक्षक की गरिमा बढती है, मर्यादा बढती है। इससे उनको सही का परिचय मिलता है, पर यदि बच्चों को उनकी किसी प्रकार की छोटी - मोटी भूलों के लिए सज़ा दी जाए, उन्हें पीटा जाए, डांटा - फटकारा जाए, उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास किया जाए तो उस व्यक्ति या शिक्षक को हम क्षमाशील नहीं कह सकते। ऐसा करना हमारी भूल ही होगी। यह हमारी कौन सी महानता होगी कि किसी ने कुछ भूल कर दी और हमने उसके बदले उसे दो हाथ लगा दिए। मनुष्य के समान कोई दूसरा आत्मघाती जीव इस संसार में मिलना मुश्किल है इस संसार में मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है, जो केवल अपना ही नुकसान करने के पीछे पड़ा रहता है। इसके सिवाय संसार में ऐसा कोई ओर दूसरा जीव नहीं है जो अपना नुकसान स्वयं करने की ताक में लगा रहता हो। हम जो भूल करते चले आ रहे हैं, उससे हमारे शरीर का क्षय होता है, हमारा ही शरीर टूटता है, विकृत होता है पर फिर भी हम मनुष्य गलती पर गलती करते चले जाते हैं।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	कायर और कमज़ोर व्यक्ति का कौन-सा कार्य उपहास का कारण बन जाता है?	1

	i. दूसरों का उपहास करना ii. दूसरों की सेवा करना iii, किसी को क्षमा करना iv. डटकर मुकाबला करना	
(ii)	क्षमा हमारे जीवन का अलंकार कब बनती है? i. जब हम किसी को क्षमा करते हैं। ii. विद्वान और प्रबुद्ध होने पर भी दूसरों को क्षमा करना iii. जब हम बढ़ा - चढ़ाकर बात करते हैं iv. जब हम पूरी तरह कमज़ोर हों	**1**
(iii)	शिक्षक की गरिमा और मर्यादा कब बढती है? i. जब वह छात्रों को दंड देता है ii. जब वह अपने काम को नौकरी समझता है। iii. जब वह छात्रों की भूलों को क्षमा कर देता है iv. जब वह छात्रों की बात को अनसुनी कर देता है।	**1**
(iv)	मनुष्य को आत्मघाती जीव क्यों कहा गया है? i. क्योंकि वह सभी का हित चाहता है ii. क्योंकि उसके समान हितकारी कोई नहीं है iii. क्योंकि वह केवल अपना हित करता है iv. क्योंकि वह हमेशा अपना नुकसान करने को तत्पर रहता है	**1**
(v)	'गरिमा' शब्द का विशेषण है - i. गौरव ii. लघिमा iii. गुरु, गरिमामय iv. गरिमा वाला	**1**
(vi)	शिक्षक कब क्षमाशील नहीं होता ? i. जब यह बच्चों की गलती पर उन्हें सजा देता है ll जब वह बच्चों की गलती पर उन्हें सजा नहीं देता है iii जब यह अपनी मर्यादा को बढ़ाता है iv. जब यह बच्चों को पढ़ाता है	**1**
(vii)	बच्चों का क्या काम होता है? i. काम करना ii. भूल करना iii. खेलना iv. पढ़ना	**1**

(viii)	'प्रबुद्ध शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है - i. बुद्ध ii प्र iii प्रबु iv. द्ध	1
(ix)	गद्यांश में से 'वृद्धि' शब्द का विलोम छांटिए- i. विकृत ii क्षमा iii. क्षय iv. नुकसान	1
(x)	गद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा - i. क्षमा ii. क्षमाशील iii. क्षमा : जीवन का अलंकार iv. जीवन का अलंकार	1
	अपठित पद्यांश	(8)
प्रश्न 2.	**निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश, पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश। मेखलाकर पर्वत अपार अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़, अवलोक रहा है बार-बार नीचे जल में निज महाकार, जिसके चरणों में पला ताल दर्पण सा फैला है विशाल। गिरि का गौरव गाकर झर-झर मद में नस-नस उत्तेजित कर मोती की लड़ियों सी सुन्दर झरते हैं झाग भरे निर्झर! गिरिवर के उर से उठ-उठ कर उच्चाकांक्षाओं से तरूवर हैं झाक रहे नीरव नभ पर अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर। उड़ गया, अचानक लो, भूधर	

	फड़का अपार वारिद के पर! रव-शेष रह गए हैं निर्झर! है टूट पड़ा भू पर अंबर! धँस गए धरा में सभय शाल! उठ रहा धुआँ, जल गया ताल! -यो जलद-यान में विचर-विचर था इंद्र खेलता इंद्रजाल	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	रव-शेष शब्द से क्या तात्पर्य है? i. निस्तब्ध वातावरण ii. झरनों की आवाज iii. नदी की आवाज iv. झरने का बहना	**1**
(ii)	कवि ने मोतियों से किसकी तुलना की है ? i. मोतियों की लड़ी से ii. बिजली की चमक से iii. झरने के पानी से iv. पानी के झाग से	**1**
(iii)	भूधर शब्द का क्या अर्थ है ? i. झरना ii. बादल iii. पहाड iv. नदी	**1**
(iv)	पर्वतीय इलाकों में किस ऋतु में हमेशा वातावरण परिवर्तित होता है ? i. ग्रीष्म ऋतु ii. वर्षा ऋतु iii. शरद ऋतु iv. वसंत ऋतु	**1**
(v)	'गिरिवर के उर से उठ-उठ कर' पंक्ति में अलंकार बतायें । i. उपमा ii. अनुप्रास iii. पुनरुक्तिप्रकाश iv. रुपक	**1**
(vi)	उपर्युक्त पद्यांश में किस देव का उल्लेख हुआ है?	**1**

	i. अग्नि देव ii. जल देव iii. सूर्य देव iv. इंद्र देव	
(vii)	'मोती की लड़ियों सी सुन्दर' में कौन सा अलंकार है? i. रूपक ii. उपमा iii. उत्प्रेक्षा iv. मानवीकरण	**1**
(viii)	ताल को किसके समान बताया गया है? i. दर्पण ii. मोती iii. यान iv. झाग	**1**
	अथवा	
	इस समाधि में छिपी हुई है, एक राख की ढेरी । जलकर जिसने स्वतंत्रता की दिव्य आरती फेरी।। यह समाधि एक लघु समाधि है, झाँसी की रानी की । अन्तिम लीला-स्थली यही है, लक्ष्मी मरदानी की।। यहीं कहीं पर बिखर गई वह, भग्न विजयमाला सी। उसके फूल यहाँ संचित हैं, है यह स्मृतिशाला सी।। सहे वार पर वार अन्त तक, बढ़ी वीर बाला सी। आहुति सी गिर पड़ी चिता पर, चमक उठी ज्वाला सी। बढ़ जाता है मान वीर का, रण में बलि होने से। मूल्यवती होती सोने की, भस्म यथा सोने से ।। रानी से भी अधिक हमें अब, यह समाधि है प्यारी। यहाँ निहित है स्वतंत्रता की, आशा की चिनगारी।। इससे भी सुन्दर समाधियाँ, हम जग में हैं पाते। उनकी गाथा पर निशीथ में, क्षुद्र जन्तु ही गाते।।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	काव्यांश में किसकी समाधि की बात हो रही है? i. लक्ष्मीबाई की ii. नौजवानों की iii. विधवाओं की	**1**

	iv. शहीदों की	
(ii)	'उसके फूल यहाँ संचित हैं पंक्ति में फूल का क्या तात्पर्य है? i. सूखे हुए फूल ii. रानी की अस्थियाँ iii. खिले हुए फूल iv. चिता के अवशेष	1
(iii)	वीर का मान कब बढ़ जाता है? i. जब यह युद्ध लड़ता है। ii. जब वह लड़ते हुए शहीद हो जाता है। iii. जब वह युद्धभूमि से पलायन कर जाता है। iv. जब वह युद्ध नहीं लड़ता है।	1
(iv)	रानी से अधिक उसकी समाधि प्रिय क्यों है? i. क्योंकि उससे स्वतंत्रता की प्रेरणा मिलती है। ii. क्योंकि उससे रानी की याद आती है। iii. क्योंकि उससे वीर का मान बढ़ता है। iv. क्योंकि वह चिता स्थल है।	1
(v)	सोने की भस्म किससे मूल्यवान होती है? i. सोने से ii. चाँदी से iii. राख से iv. फूलों से	1
(vi)	'चमक उठी ज्वाला सी' में कौन- सा अलंकार है? i. रूपक ii. उपमा iii. अतिश्योक्ति iv. उत्प्रेक्षा	1
(vii)	निशीथ का अर्थ क्या है? i. रात्र ii. दिन iii. संध्या वेला iv. प्रातः काल	1
(viii)	उपर्युक्त पद्यांश में कौन सा रस है? i. रौद्र ii. वीर	1

	iii. शांत iv. करुण	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(5)**
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	**5x1=5**
(i)	निम्न में से सम्पादन के किन सिद्धांतों का पालन करना चाहिए? i. तथ्यों की शुद्धता ii. वस्तुपरकता iii. निष्पक्षता iv. उपर्युक्त सभी	**1**
(ii)	पत्रकारिता का मूल तत्व क्या है? i. जिज्ञासा ii. शुद्ध उच्चारण iii. विनम्रता iv. आत्मविश्वास	**1**
(iii)	रेडियो मूलतः कैसा माध्यम है? i. द्विरेखीय ii. एकरेखीय iii. त्रिरेखीय iv. क व ख दोनों	**1**
(iv)	समाचार क्या है? i. किसी भी ताज़ी घटना की रिपोर्ट ii. किसी भी विचार की रिपोर्ट iii. किसी भी समस्या की रिपोर्ट iv. उपरोक्त सभी	**1**
(v)	समाचारों या रिपोर्ट के प्रकाशन के लिए स्वीकार करने की एक निश्चित समय सीमा होती है, उसे क्या कहते हैं i. मुख्य समाचार ii. डेडलाइन iii. हैडलाइन iv. उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
	पाठ्य-पुस्तक	**(10)**
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** अरुण यह मधुमय देश हमारा ! जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा |	**5x1=5**

	सरस तामरस गर्भ विभा पर - नाच रही तरु शिखा मनोहर| छिटका जीवन हरियाली पर मंगल- कुमकुम सारा ! लघु सुरधनु से पंख पसारे- शीतल मलय समीर सहारे | उड़ते खग जिस ओर मुंह किए -समझ नीड़ निज प्यारा | बरसाती आँखों के बादल -बनते जहां भरे करुणा जल | लहरें टकराती अनंत की- पाकर जहां किनारा |	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	प्रस्तुत काव्यांश किस नाटक से लिया गया है ? i. स्कन्दगुप्त ii. चन्द्रगुप्त iii. समुद्रगुप्त iv. विक्रम	**1**
(ii)	प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कवि द्वारा रचित हैं? i. नागार्जुन ii. विष्णु खरे iii. रघुवीर सहाय iv. जयशंकर प्रसाद	**1**
(iii)	लघु सुरधनु से पंख पसारें में अलंकार बताइए | i. उपमा अलंकार ii. अनुप्रास अलंकार iii. उत्प्रेक्षा अलंकार iv. मानवीकरण	**1**
(iv)	कविता में भारत के बारें में यह कथन नहीं कहा गया है | i. भारत भूमि हरी- भरी है | ii. भारतीयों का स्वभाव करुणामयी है | iii. देश विदेश के लोग भारत के प्रति आकर्षित हैं | iv. भारत में राजाओं के बीच युद्ध होते रहते हैं |	**1**
(v)	बरसाती आँखों के बादल से क्या विशेष अर्थ व्यंजित होता है ? i. वर्षा ऋतु में बादल बरसते हैं | ii. आँखों को बादल कहा गया है | iii. आँखों से वर्षा के समान जलधारा बहती है | iv. भारतीय संवेदनशील व करूणामयी हैं |	**1**
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।** धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य ना करें, जो कहा जाए वही कान ढलकाकर	**5x1=5**

	सुन ले, इस सत्य युगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवा कर दिया जाता है। घड़ी समय बतलाती है। किसी घड़ी देखना जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो। यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोल कर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोल कर फिर जमा दे, साफ करके फिर लगा ले -यह तुमसे नहीं होगा। तुम उसके अधिकारी नहीं। यह तो वेद शास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जाने, तुम्हें इससे क्या? क्या इस उपमा से जिज्ञासा बंद हो जाती है? इसी दृष्टांत को बढ़ाया जाए तो जो उपदेशक जी कह रहे हैं उसके विरुद्ध कई बातें निकल आवे। घड़ी देखना तो सिखा दो उसमें तो जन्म और कर्म की पख ना लगाओ, फिर दूसरे से पूछने का टंटा क्यों? गिनती हम जानते हैं, अंक पहचानते हैं, सूइयों की चाल भी देख सकते हैं, फिर आंखें भी हैं तो हमें ही ना देखने दो, पड़ोस की घड़ियों में दोपहर के बारह बजे हैं आप की घड़ी में आधी रात है जरा खोल कर देखना न लेने दीजिए कि कौन सा पेच बिगड़ रहा है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	प्रस्तुत गद्यांश किस विधा में रचित हैं ? i. कहानी ii. लघु निबन्ध iii. संस्मरण iv. रिपोर्ताज	**1**
(ii)	घड़ी किसका प्रतीकात्मक शब्द है ? i. अंधविश्वास ii. धर्म iii. समय iv. उपरोक्त तीनों	**1**
(iii)	घड़ी देखने में व्यवधान कैसे उत्पन्न किया जाता है ? i. अंको का ज्ञान ना देना ii. सूईयों की चाल में असमानता होना iii. जन्म व कर्म के आधार पर ही मनुष्य को ज्ञानार्जन योग्य समझना iv. उपरोक्त सभी	**1**
(iv)	प्रस्तुत गद्यांश के रचयिता कौन हैं ? i. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ii. भारतेंदु हरिश्चन्द्र iii. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी iv. असगर वजाहत	**1**
(v)	दृष्टांत का अर्थ लिखिए |	**1**

	i. देखना ii. दृश्य का अंत iii. उदाहरण iv. क व ख दोनों	
	पूरक पाठ्य-पुस्तक	(07)
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	
(i)	जगधर क्या बेचता था ? i. सब्जियां ii. नमकीन भुजिया iii. तेल से बनी मिठाइयां iv. घी से बनी मिठाइयाँ	**1**
(ii)	रूपसिंह बचपन में शैला के लिए क्या लाता था ? i. गुलाब के फूल ii. हरसिंगार के फूल iii. बुरुंस के फूल iv. पलाश के फूल	**1**
(iii)	सूरदास के बारे में कौन सा कथन गलत है? i. सूरदास प्रतिशोध लेना चाहता था | ii. सूरदास में हार न मानने की प्रवृत्ति थी | iii. भैरों के ईर्ष्यालु स्वभाव से सूरदास व्यथित था | iv. सूरदास कर्मशील व परोपकारी था |	**1**
(iv)	बिस्कोहर की माटी पाठ में आँख आने पर माँ किस फूल के दूध को आँख में लगाती थीं ताकि आँख ठीक हो जाएँ | i. भरभंडा ii. बेर iii. कोइयाँ iv. हरसिंगार	**1**
(v)	राख का ढेर सूरदास के लिए वास्तव में किसका ढेर था ? i. फूस की राख ii. अभिलाषाओं की राख iii. उत्साह की तरंग iv. राख उड़ाकर खेलने का साधन	**1**
(vi)	प्रभाष जोशी ने धरती का वातावरण गर्म होने के क्या कारण बताएं है ? i. विकास की औद्योगिक सभ्यता	**1**

	ii. पानी के प्रबंध पर ध्यान न देना iii. कार्बन डाई ऑक्साइड का अत्यधिक उत्सर्जन iv. उपरोक्त तीनों	
(vii)	रूपसिंह के गाँव का क्या नाम था ? i. देवकुंड ii. सुरगी iii. माही iv. हिमांग	**1**
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(20)**
प्रश्न 7.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-** I. नाच न जाने आँगन टेढ़ा II. ईंधन संरक्षण III. कार्यस्थलों पर महिलाओं की स्थिति	**5x1=5**
प्रश्न 8.	दिन प्रतिदिन बढ़ती महंगाई के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए एवं महंगाई की रोकथाम के लिए उपाय भी सुझाइए। **अथवा** आपने अनुभव किया होगा कि रेल यात्रा में पहले की अपेक्षा कुछ सुधार हुए हैं। विवरण देते हुए रेल मंत्री भारत सरकार को एक पत्र लिखिए।	**5x1=5**
प्रश्न 9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए-**	**5**
(i)	विशेष रिपोर्ट लेखन से क्या तात्पर्य है? **अथवा** इंटरनेट तेजी से लोकप्रिय क्यों हो रहा है?	**3**
(ii)	ब्रेकिंग न्यूज़ किसे कहते है? **अथवा** प्रिंट मीडिया की दो विशेषताएँ लिखिए।	**2**
प्रश्न 10.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए-**	**5**
(i)	रेडियो समाचार की भाषा- शैली किस प्रकार की होनी चाहिए? **अथवा** इंटरनेट पत्रकारिता किसे कहते हैं इसे किस- किस नाम से जाना जाता है?	**3**
(ii)	एंकर बाइट से आप क्या समझते हैं? **अथवा** उल्टा पिरामिड शैली में समाचारों को किस क्रम से लिखा जाता है?	**2**
	पाठ्य-पुस्तक	**(20)**

प्रश्न 11.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए-**	**6**
(i)	कवि 'नयन न तिरपित भेल 'के माध्यम से विरहिणी नायिका की किस मनोदशा को व्यक्त करना चाहता है?	**3**
(ii)	माता कौशल्या को घोड़ों की चिंता क्यों हो रही है?	**3**
(iii)	'आधे आधे गाने' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?	**3**
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	**4**
(i)	'जहां पहुंच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।	**2**
(ii)	'एक कम' कविता में कवि ईमानदार आदमी के जीवन संघर्ष में किस प्रकार से सहयोग करता है?	**2**
(iii)	'सत्य' कविता में युधिष्ठिर किसका प्रतीक बन कर आए हैं?	**2**
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए-**	**6**
(i)	लेखक ने चौधरी साहब के व्यक्तित्व के किन पहलुओं को उजागर किया है?	**3**
(ii)	"संवदिया डट कर खाता है और अफर कर सोता है" से क्या आशय है?	**3**
(iii)	"मनोकामना की गांठ भी अद्भुत -अनूठी है इधर बांधो उधर लग जाती है " कथन के आधार पर पारो की मनोदशा का वर्णन कीजिए।	**3**
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	**4**
(i)	खैराती, रामू और छिद्दू ने जब आंखें खोलीं तो उन्हें अपने सामने राजा ही क्यों दिखाई दिया?	**2**
(ii)	अमझर से आप क्या समझते हैं ? अमझर गांव में सूनापन क्यों है?	**2**
(iii)	बालक ने क्यों कहा कि "मैं यावज्जन्म लोक सेवा करूंगा?"	**2**